दुनिया गोल, खबरें बेजोड़

सकारात्मक मानसिकता से भरपूर हिंदी न्यूज e-पोर्टल

इंडिया24x7न्यूज.कॉम

भारत के हर वर्ग के लिए ताजा खबरें

Sat, Jul 18, 2009 at 10:42:03 AM

मुख्य पृष्ठ
शेयर बाज़ार
सेल्स टैक्स
इनकम टैक्स
होनहार लोग
महिला जगत
शिक्षा जगत
वैवाहिक
फैशन
ज्योतिष
धर्म
स्वास्थ्य
पुलिस एवं अपराध
कानून
देश भक्ति
मनोरंजन
खेल खिलाड़ी
पाठको के पत्र
कैरियर
आपकी कोई समस्या हो तो लिखे
हमारी टीम
फोटो गैलरी
मीडिया वेलफेयर स्कीम
हिंदी फॉंट डाउनलोड

India24X7News

में विभिन्न पद रिक्त हैं राज्य एवं जिला स्तर पर| यहाँ क्लिक करें और ४८ घंटें में आपको जवाब मिल जायेगा |

डाटा बैंक

सभी दलों के नेता, विधायकों, सांसदों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का डाटा बैंक यहाँ उपलब्ध है | आप किसी भी पार्टी से जुड़े है और अपना डाटा दर्ज कराना चाहते है या किसी का डाटा देखना चाहते है तो यहाँ क्लिक करे |

ड़ी-बूटियों से सेवा करता एक इंसान मनोज गौड़

नई दिल्ली,संवाददाता। इंसान मात्र जरिया होता है हाथों में अजूबा देता है मालिक। लेकिन उस अजूबे का हुनर इंसान की सेवा या भलाई के लिए निस्वार्थ किया जाए तभी असर होता है। ऐसा ही मानव सेवा का कार्य कर रहे हैं मनोज गौड़। लगभग १७ वर्ष से वह पीलिया, पथरी, बवासीर और जोड़ों के दर्द की दवाई रोगियों को देते आ रहे हैं। उनका दावा है कि यदि दवा के साथ परहेज बरता जाए तो सौ प्रतिच्चत परिणाम मिलता है। सबसे बड़ी बात वह इस इलाज के ऐवज में किसी से कोई भी रूपया नहीं लेते।

कम्प्यूटर व्यवसाय से जुड़े मनोज गौड़ का चिकित्सा क्षेत्र में यह शौक है। पीलिया, बवासीर,जोड़ों के दर्द और पथरी की दवाई निःच्चुल्क रूप से मरीजों को देते आ रहे हैं। दरियागंज स्थित कार्यालय पर उनके द्वारा दी गई हर्बल दवाईयों के सेवन से इन बीमारियों का इलाज कराने के लिए देच्चभर से आने वाले मरीजों की संख्या हर महीने लगभग चार-पांच हजार होती है। सप्ताह में दो दिन शनिवार व मंगलवार को वह मरीजों को दवाई वितरित करते हैं।

उन्होंने बताया कि वह इसके लिए कुछ दवाईयां इकट्ठा ही चिचमला व मनाली से मंगाते हैं जबकि कुछ बूटियां वे एनसीआर क्षेत्र स्थित जंगलों में शुक्रवार व सोमवार को यानि दवाई देने के एक दिन पहले स्वयं जाकर ढूंढते हैं। दवा बांटने से एक दिन पहले बूटियां इसलिए लाई जाती हैं ताकि वे ताजी रह सकें और अपना प्रभाव पूरी तरह दे पाएं।

श्री गौड़ ने बताया कि उनसे पहले उनके उस्ताद प्रदीप जैन रोगियों को ये जड़ी बूटी देकर निरोग किया करते थे। उन्हें ये चिचफा भगवान की कृपा से प्राप्त था, जिसे बाद में उन्होंने मुझे दे दिया। उस दिन के बाद से आज तक मैं अपने गुरू के आदेच्च पर निःस्वार्थ भाव से लोगों की सेवा कर रहा हूं। श्री गौड़ ने बताया कि वह इलाज के लिए अपने गुरू की तरह किसी से कुछ भी नहीं मांगते हैं और यदि कोई कुछ देना भी चाहे तो वे साफ इंकार कर देते हैं।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उनके यहां आने वाले मरीजों में वे अधिकांच्च लोग शामिल होते हैंजो इन रोगों से काफी अधिक पीड़ित होते हैं और इलाज कराकर परेच्चान हो चुके होते हैं। उन्होंने कहा कि इनमें राजनीतिज्ञ, फिल्मकार और धनाड्य वर्ग से लेकर बड़ी-बड़ी सरकारी सेवा में मौजूद लोग भी आते हैं यहां तक कि कई बार तो नामी डाक्टर भी पीलिया आदि की दवाई के लिए उनकी बूटियां ग्रहण कर चुके हैं।

रोगों के बारे में उन्होंने बताया कि खासतौर से गर्मियों या आती बरसात के दिनों में लीवर इंफैक्चन के कारण पीलिया के रोगियों की संख्या बढ़ जाती है । आजकल के समय में छोटे-छोटे बच्चों में ब्लड प्रेच्चर, नींद व भूख कम होना अधिक तनाव के कारण देखने को मिल रहे हैं। बड़े लोगों में शराब आदि के शौक के कारण भी लीवर की समस्या पैदा हो रही है। बुजुर्गों में बढ़ती उम्र के कारण जोड़ों के दर्द के मामले भी अधिसंख्या में हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे सभी प्रकार के मरीज उनके पास आते हैं। उन्हें दवा खिलाने के साथ परहेज का पर्चा भी दिया जाता है क्योंकि परहेज के बिना इलाज अधूरा रहता है। जोड़ों के बुजुर्ग रोगियों के बारे में उन्होंनें बताया कि यह साठ साल से अधिक की उम्र में अधिकांच्च होता है औैर बढ़ी उम्र के कारण इसका इलाज पूरी तरह होना नामुमकिन है। लेकिन कम करने के लिए परहेज अधिक कारगर साबित होता है, जैसे उन्हें ठंडी व बादी चीजों के सेवन से बचना चाहिए।

हनुमान जी के भक्त श्री गौड़ कहते हैं कि शुगर व ब्लड प्रेच्चर और बढ़ी उम्र के जोड़ों का दर्द जैसे रोग समाप्त नहीं हो सकते हैं लेकिन इन्हें परहेज करके कंट्रोल अवच्च्य किया जा सकता है। उनका कहना है कि स्वास्थ्य के लिए लोग सात्विक भोजन अपनाएं और नच्चे से दूर रहें तो स्वास्थ्य ही धन है के नारे को कारगर कर सकते हैं। कुछ अन्य परहेजों के बारे में उन्होंने बताया कि शुगर के इलाज के दौरान वह मरीजों को हरी मिर्च डंडी सहित,जो कि साबुत हो को दूध में उबाल कर दिन में दूध सेवन करने और पथरी के इलाज के समय पालक, बादी की चीजें, टमाटर व नींबू सहित ना खाने की सलाह देते हैं। और अपने यहां पीलिया की खुराक देने के बाद चाय पीने व दिन में कई बार चाय पीने की सलाह भी देते हैं। उनका कहना है कि दवा सेवन को आने से पहले खाली पेट नहीं होना भी जरूरी है।

.....

श्री मनोज गौड़ से पीलिया,पथरी,जोड़ों के दर्द की निःच्चुल्क हर्बल दवाई या सलाह के लिए उनके कार्यालय
डीजीसॉफ्ट ४७८२/२३ अंसारी रोड दरियागंज मोबाइल क्रमांक ९८११४०३२३७ पर संपर्क किया जा सकता है।

.....

हमारे संवाददाता शीवेन्द्र से बातचीत के आधार पर उपरोक्त जानकारी दी गई है।

India 24x7 News TV/Video

अन्य खबरें

महिला आरक्षण से ही समाज का भला-अमरीष गौतम
जेल के अंदर की कहानी जेलर की जुबानी
सुनीता नहीं डरती किसी तुर्रम खां से
बुलंदियों को छूती बाल कलाकार चारवी विरमान
चित्रों से जीवन की प्रस्तुति करता कलाकार
कार्य चाहें छोटा हो या फिर बड़ा उसे करने म
दिल्ली को 'राज्य' घोषित कराएं तो राजधानी
सिर्फ वायदे करने से कुछ नहीं होता-धीरसिंह
राष्ट्रमंडल खेलों में मिलेंगी विश्वस्तरीय स
पूरा विश्व तंबाकू और तम्बाकू उत्पादित पेय

1 2 3 4

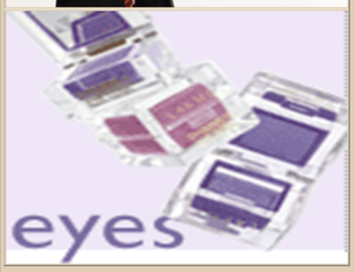

Copyright 2009© india24x7news.com, All Rights Reserved
Designed & Developed By : I & S IT Solution